...जब अपने चले जाते हैं तो दु:ख होता है मगर सच यह भी है कि शरीर नश्वर है हमें यही दुआ करनी चाहिए कि जो जीव – आत्मा आज हमारे बीच नहीं है प्रभु उसे मोक्ष प्रदान करें।

—प्रो. (डॉ. सोहन राज तातेड़)

***

साहित्य के सच्चे कर्मयोगी को शत-शत नमन

साहित्यगार के संस्थापक श्रद्धेय रमेश वर्मा जी को हमारा साथ छोड़कर गए 1 वर्ष हो गया पर ऐसा कोई समय नहीं गया जब हमने आपकी चर्चा नहीं की हो, आपके साहित्यिक योगदान को याद न किया हो। आपके चेंबर में जब-जब गयी आपकी कुर्सी पर आप ही नजर आए और कुर्सी के ऊपर लगी हुई आपकी जीवंत तस्वीर ऐसे लगता कि अभी बोल उठेगी। और हाँ आपके द्वारा दिया गया वो ब्लैक पैन जिसमें लिखा है पढ़ना आनंदानुभूति है, इसे अपनाइये और आपके द्वारा दिया गया साहित्यकार रेनू 'शब्द मुखर' का फ्रेम किया गया उपहार मेरे लिए अनमोल है। वह मेरे लिए आशीर्वाद स्वरूप है।

आपकी पुण्यतिथि पर आपकी कार्यकुशलता, कर्मठता को शत्-शत् नमन करती हूँ।

हिंदी जगत् में आपका योगदान चिरस्मरणीय रहेगा और आप हमारी यादों में हमेशा रहेंगे।

साहित्यगार के फलक पर आपकी चमक चिरस्थायी रहेगी।

शत्-शत् नमन

—रेनू 'शब्द मुखर'

स्टेट को-ऑर्डिनेटर संपर्क संस्थान

सह-सचिव, राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान, जयपुर

***

आदरणीय श्री रमेश वर्मा जी हमारे बड़े भाई के समान थे जिन्होंने पुस्तक प्रकाशन के साथ साथ हमें जीवन के कड़वे सत्य से भी परिचित करवाया । वे कहते थे आपने साहित्य के क्षेत्र में महिलाओ को आगे बढाने हेतु एक अलख जगा दी है ।लेखन के क्षेत्र में महिलाओ की भागी दारी निरन्तर बढ़ती जा रही है ।पुस्तक प्रकाशन से लेकर ,साहित्य अकादमी से पुस्तक प्रकाशन पर अनुदान दिलाने तक की भागेदारी आप कर रही हैं ।यह समाज के लिए

बहुत बडी़ सेवा है ।राजस्थान लेखिका साहित्य संस्थान के अध्यक्ष पद पर रहते हुऐ मैने अनेक साहित्यकार बहनों को दस और बारह हजार रूपये प्राप्त करने में जी जान से भूमिका निभाई ।हमारी पुस्तकें ,बिल ,तथा पच्चीस पुस्तके सदैव आप समय पर अकादमी में भेज हमें बहुत सारे झंझटो से बचा लेते थे।

वर्मा जी का मुझ पर अत्यधिक स्नेह था ।जब मैने लेखिका साहित्य संस्थान से दो साझा संग्रह काव्य कुँज व कथा कुँज छपवाये तो वे बेहद प्रसन्न हुए ।

काव्यकुँज के विमोचन पर स्वयं उपस्थित हो ,हम सबका उत्साह वर्धन किया।

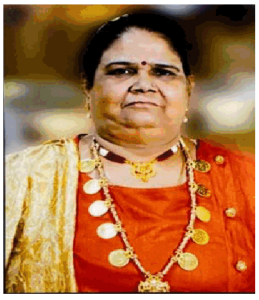

हम सब नारी कभी ना हारी लेखिका साहित्य संस्थान जयपुर के सभी सदस्य आज उनकी पुण्य तिथि पर स्मरण करते हुए ,श्रद्धां जलि प्रेषित करते है ।

हम सदैव उनके बताये सत्य मार्ग का अनुसरण करते हुए निरन्तर बहनो को लेखन में आगे बढायेगें।

शतशत नमन विनम्र श्रद्धांजलि भाई साहब श्री रमेश वर्मा जी को जिन्होंने हमें निरन्तर लेखन करने,व साहित्य सेवा की प्रेरणा दी।

निवेदिका

वीना चौहान

संस्थापक,अध्यक्ष

नारी कभी ना हारी लेखिका साहित्य संस्थान, समस्त सदस्य बहने

एवं

नीलम सपना शर्मा

सपनाज़ चेरिटेबल ट्रस्ट जयपुर

***